कनाडा में आपराधिक कानून

जानने योग्य महत्वपूर्ण शब्द



अभियोजन प्रारंभ (Arraignment) – किसी अपराध का आरोप लगने के बाद पहली अदालत उपस्थिति। इस समय न्यायाधीश आपसे पूछेंगे कि क्या आप अपनी दलील (Plea) देने के लिए तैयार हैं। यदि आपको कानूनी सलाह लेने के लिए अधिक समय चाहिए, तो स्थगन (Adjournment) का अनुरोध करें।

आरोपी (Accused) – आरोपी वह व्यक्ति होता है जिस पर पुलिस ने अपराध का आरोप लगाया है। आरोपी को अदालत में जाकर अपने खिलाफ मामला सुनने और यह समझाने का अधिकार है कि उसे दोषी क्यों नहीं ठहराया जाना चाहिए। आरोपी को "प्रतिवादी" (Defendant) भी कहा जाता है।

आपराधिक रिकॉर्ड (Criminal Record) – यदि आप कनाडा में किसी अपराध में दोषी ठहराए जाते हैं, तो आपका आपराधिक रिकॉर्ड बनता है। इससे नौकरी पाना, कनाडा से बाहर यात्रा करना, या स्थायी निवासी या नागरिक बनना कठिन हो सकता है। यदि आप नागरिक नहीं हैं, तो यह आपके कनाडा में रहने के अधिकार को भी प्रभावित कर सकता है।

अगर नाबालिग पर कोई नया आरोप या सज़ा नहीं है, तो 3–5 साल बाद उसका क्रिमिनल रिकॉर्ड सील या नष्ट कर दिया जाता है। यह रिकॉर्ड पुलिस देख सकती है और अगर वह व्यक्ति 18 साल की उम्र के बाद कोई अपराध करता है, तो यह बड़ों के रिकॉर्ड का हिस्सा बन सकता है।

उपस्थिति सूचना (Appearance Notice) – पुलिस द्वारा जारी किया गया एक फॉर्म, जो यह बताता है कि किसी व्यक्ति को कब अदालत में उपस्थित होना है। आपको उस तारीख को अदालत में उपस्थित होना आवश्यक है, अन्यथा आपको गिरफ्तार किया जा सकता है।

किशोर अदालत (Youth Court) – यह अदालत 12 से 17 वर्ष आयु वाले किशोरों के आपराधिक मामलों को संभालती है। जहाँ संभव हो, माता-पिता या अभिभावकों को किशोर के साथ अदालत में उपस्थित होना चाहिए। किशोर अदालत सार्वजनिक नहीं होती, और वहाँ उपस्थित व्यक्तियों के नाम या व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन या समाचारों में प्रकाशित नहीं की जा सकती।

गंभीर अपराध (Indictable Offence) – एक गंभीर आपराधिक आरोप जो जेल या कारावास, अधिक जुर्माने, और स्थायी आपराधिक रिकॉर्ड का कारण बन सकता है।

ड्यूटी काउंसल (Duty Counsel) – यह नोवा स्कोटिया लीगल एड के वकील होते हैं जो अदालत में लोगों को निःशुल्क, प्रारंभिक कानूनी सलाह देते हैं। वे आपके पूरे मामले पर काम नहीं करते, बल्कि केवल उस दिन की अदालत की कार्यवाही के लिए सलाह देते हैं।

जमानत (Bail) – यह एक अदालत का आदेश होता है जो आरोपी व्यक्ति को मुकदमे की प्रतीक्षा करते हुए अपने समुदाय में रहने की अनुमति देता है। जमानत पर कुछ शर्तें लागू हो सकती हैं, या अदालत में एक निश्चित धनराशि जमा करनी पड़ सकती है। यदि आरोपी सभी शर्तों का पालन करता है, तो उसे यह धनराशि वापस मिलती है। “जमानती” (Surety) वह व्यक्ति होता है जो किसी और के लिए जमानत राशि भरता है।

दोषसिद्धि (Conviction) – अदालत द्वारा यह आदेश कि कोई व्यक्ति अपराध का दोषी है। यह तब होता है जब आरोपी व्यक्ति दोष स्वीकार करता है या मुकदमे में दोषी पाया जाता है।

प्ली (Plea) – किसी जुर्म के आरोपों पर आरोपी व्यक्ति का जवाब। वे "दोषी" या "दोषी नहीं" होने की दलील दे सकते हैं। दोषी होने की दलील का मतलब है आरोपों से सहमत होना। अपना दोष बताने से पहले कानूनी सलाह लेना बहुत ज़रूरी है।

पीस बॉन्ड (Peace Bond) – यह अदालत का आदेश है जो किसी व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से संपर्क नहीं करने के लिए बाध्य करता है। कोई भी व्यक्ति पीस बॉन्ड के लिए आवेदन कर सकता है यदि किसी ने उसे, उसके परिवार को धमकाया, नुकसान पहुँचाया, या संपत्ति को क्षति पहुँचाई हो।

यदि आप पीस बॉन्ड से सहमत होते हैं या अदालत ऐसा आदेश देती है, तो आपके खिलाफ आपराधिक रिकॉर्ड नहीं बनेगा। लेकिन यदि आप उस आदेश का उल्लंघन करते हैं, तो आपको गिरफ्तार किया जा सकता है और इससे आपराधिक रिकॉर्ड बन सकता है।

परिवीक्षा (Probation) – यह सजा का एक प्रकार है जिसमें दोषी व्यक्ति को कड़ी शर्तों का पालन करना होता है। इसमें नियमित रूप से परिवीक्षा अधिकारी से मिलना, नए आरोपों से बचना, कुछ व्यक्तियों या स्थानों से दूर रहना, समय पर घर लौटना (कर्फ्यू), या परामर्श लेना शामिल हो सकता है।

पुनर्स्थापनात्मक न्याय (Restorative Justice) – यह एक कार्यक्रम है जो व्यक्ति को यह दर्शाने में मदद करता है कि वे अपने द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई करने के लिए गंभीर हैं। इसमें भाग लेने से हल्की सजा या आपराधिक रिकॉर्ड से बचने का अवसर मिल सकता है। व्यक्ति स्वयं को इस कार्यक्रम में नामांकित नहीं कर सकता, लेकिन पुलिस, क्राउन अटॉर्नी, या न्यायाधीश से अनुरोध कर सकता है।

प्रकटीकरण (Disclosure) – किसी मामले से संबंधित सभी सबूतों की प्रतियां, जैसे कि पुलिस रिपोर्ट, गवाहों के बयान, या अन्य दस्तावेज़। यदि आप पर अपराध का आरोप है, तो आपको इन सबूतों की प्रतियां प्राप्त करने का अधिकार है। इसके लिए आप क्राउन अटॉर्नी के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

मिश्रित अपराध (Hybrid Offence) – ऐसा अपराध जिसमें क्राउन अटॉर्नी यह तय करते हैं कि इसे कम गंभीर अपराध (Summary Offence) या अधिक गंभीर अपराध (Indictable Offence) के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा।

मुकदमा (Trial) – अदालत की वह प्रक्रिया जिसमें न्यायाधीश सबूतों को सुनता है, आरोपी और क्राउन अटॉर्नी दोनों की बातें सुनता है, और तय करता है कि आरोपी दोषी है या निर्दोष।

लीगल एड (Legal Aid) – नोवा स्कोटिया लीगल एड उन लोगों को निःशुल्क आपराधिक और पारिवारिक कानून सेवाएँ प्रदान करती है जिनकी आय कम है, जिसमें छात्र और *18* वर्ष से कम आयु के लोग भी शामिल हैं। आपको एक स्टाफ वकील नियुक्त किया जा सकता है, या एक लीगल एड सर्टिफिकेट दिया जा सकता है।

लीगल एड सर्टिफिकेट (Legal Aid Certificate) – यदि नोवा स्कोटिया लीगल एड के कोई स्टाफ वकील आपका मामला नहीं ले सकते, तो आपको एक लीगल एड सर्टिफिकेट मिल सकता है। यह एक दस्तावेज़ होता है जो कहता है कि लीगल एड आपके मामले के लिए किसी निजी वकील की फीस का भुगतान करेगी।

वारंट (Warrant) – अदालत का आदेश जो पुलिस को किसी व्यक्ति या उसकी संपत्ति की तलाशी लेने या किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने की अनुमति देता है।

शर्तें (Conditions) – यदि आप पर अपराध का आरोप लगाया गया है या आप किसी आपराधिक अपराध में दोषी पाए गए हैं, तो आपको अदालत या पुलिस द्वारा तय की गई शर्तों का पालन करना होगा। यदि आप इन शर्तों का उल्लंघन करते हैं, तो आप पर एक और अपराध का आरोप लगाया जा सकता है।

स्थगन (Adjournment) – अदालत की तारीख को आगे बढ़ाना या पुनर्निर्धारित करना।

सजा (Sentence) – सजा वह दंड है जो अदालत किसी व्यक्ति को अपराध में दोषी पाए जाने पर देती है। सजा के प्रकारों में शामिल हैं:

- सशर्त मुक्ति (Conditional Discharge)
- परिवीक्षा (Probation)
- जुर्माना या प्रतिपूर्ति (क्षति या चोरी की संपत्ति के लिए पीड़ित को भुगतान)
- नजरबंदी (House Arrest)
- कारावास (जेल, कारागार या सुधार गृह में निर्धारित अवधि के लिए रहना)

सारांश अपराध (Summary Offence) – कम गंभीर अपराध, जिसमें गंभीर अपराध की तुलना में हल्की सजा होती है। फिर भी, यह एक आपराधिक आरोप होता है और इससे आपराधिक रिकॉर्ड बन सकता है या प्रवासन स्थिति पर प्रभाव पड़ सकता है।

समन (Summons) – न्यायाधीश द्वारा जारी किया गया एक फॉर्म जो बताता है कि किसी व्यक्ति को अदालत में कब उपस्थित होना है। निर्धारित तारीख को उपस्थित होना ज़रूरी है, अन्यथा गिरफ्तारी हो सकती है।

सशर्त मुक्ति (Conditional Discharge) – यह सजा का एक प्रकार है जिसमें दोषी व्यक्ति को कुछ शर्तों का पालन करना होता है। यदि व्यक्ति निर्धारित परिवीक्षा (Probation) अवधि बिना किसी नए आरोप के पूरा कर लेता है, तो उसके खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं रहेगा।

नोवा स्कोटिया की लीगल इंफॉर्मेशन सोसाइटी कानून से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकती है। आप उनसे ईमेल, लाइव चैट, टेक्स्ट या फोन के माध्यम से प्रश्न पूछ सकते हैं। वे आपको आपके विकल्पों और कानून क्या कहता है, यह समझने में मदद कर सकते हैं। वे कानूनी सलाह नहीं दे सकते और न ही आपके साथ अदालत जा सकते हैं।